दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 35 | हरिद्वार | शनिवार, 20 सितम्बर, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

राज्यपाल ने ''सेवा, संकल्प और समर्पण के चार वर्ष'' कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने आज राजभवन में ''सेवा, संकल्प और समर्पण के चार वर्ष'' शीर्षक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। यह कॉफी टेबल बुक, राजभवन सूचना परिसर द्वारा राज्यपाल के चार वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल ने 15 सितम्बर को उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में चार वर्ष पूर्ण किए हैं। यह कॉफी टेबल बुक राज्यपाल के प्रेरणादायक विचारों के साथ-साथ उनके मिशन, एआई टेक्नोलॉजी, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के मार्गदर्शन एवं अन्य सामाजिक विषयों पर केंद्रित है। कार्यक्रम में राज्यपाल के चार वर्षों के कार्यकाल पर आधारित लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया। विशेष रूप से, राजभवन में 23 वर्षों से अधिक समय तक निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने वाले कम्पट्रोलर प्रमोद चमोली को ''लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। लंबे समय तक विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्होंने राजभवन के गृहस्थ अनुभाग का संचालन और आयोजन व्यवस्थाओं में उत्कृष्ट प्रबंधन और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। राज्यपाल ने कहा कि चमोली ने अपनी सेवाओं से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में अनुशासन, दक्षता और पारदर्शिता को भी सुनिश्चित किया है। उन्होंने अन्य सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार आपके कार्य के प्रति ईमानदारी, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिणाम है। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे इसी लगन और निष्ठा के साथ आगे भी कार्य करते रहें। राज्यपाल ने कहा कि सम्मानित अधिकारी एवं कर्मचारी अन्य सभी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं। राज्यपाल ने कहा कि राजभवन पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशैली बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों की समस्याओं के प्रति सजगता से कार्य करते हुए उनका ससमय निस्तारण के लिए कार्य करें। राजभवन से लोगों के मध्य एक अच्छा संदेश जाए इसमें सभी कर्मियों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, अपर सचिव रीना जोशी, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी राजभवन डॉ. महावीर त्यागी एवं डॉ. ए.के. सिंह, चिकित्सा अधिकारी आयुष राजभवन डॉ. पंकज बच्चस के अलावा राजभवन के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

हैकाथॉन 2.0में सरकारी स्कूलों के छात्र दिखाएंगे हुनर

देहरादून। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से नवाचार उत्तराखंड हैकाथॉन 2.0का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए 20अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। इन आवेदन के आधार पर 1000प्रोजेक्ट का चयन किया जाएगा। इनमें से राज्य स्तर पर 20छात्रों और 10प्रभावशाली शिक्षक परियोजनाओं को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर 20छात्र और 10प्रभावशाली शिक्षक परियोजनाओं को किया जाएगा छात्रों और शिक्षकों में रचनात्मकता, डिजिटल साक्षरता और आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करने के लिए हैकाथॉन का आयोजन किया जा रहा है। एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए हैकाथॉन को शिक्षा, समाज और पर्यावरण से जुड़ी ज्वलंत चुनौतियों के समाधान पर केंद्रित किया गया है। प्रतिभागी प्राकृतिक आपदाओं, जंगल की आग, भूस्खलन और सतत विकास जैसी समस्याओं के लिए नवीन समाधान प्रस्तुत करेंगे, जो सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देंगे। एससीईआरटी के आईटी प्रभारी रमेश बडोनी ने बताया कि इसमें छात्रों को कक्षा छह से 12 तक छात्र और प्राइमरी से माध्यमिक तक के शिक्षक हैकाथॉन में हिस्सा ले सकेंगे। इससे आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया को प्रौद्योगिकी से सशक्त बनाने और पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय जैव विविधता और संसाधनों के संरक्षण के लिए इसका प्रयोग किया जाएगा। साथ ही शिक्षकों, छात्रों और हितधारकों का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। प्रवेश फार्म के लिए पंजीकरण 222.innovateuttarakhand.com पर किए जाएंगे।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

डीजीसीए ने कड़े निर्देशों के साथ चारधाम यात्रा हेतु हेलीकॉप्टर सेवा फिर शुरू

देहरादून। डीजीसीए से मिली अनुमति के बाद चार धाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा का संचालन एकबार फिर शुरू हो गया है। मॉनसून को देखते हुए इस सेवा पर डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने रोक लगा दी थी। लेकिन अब मॉनसून अवकाश खत्म होने के बाद डीजीसीएने एकबार फिर इस सेवा को शुरू करने की अनुमति दे दी। जिसके बाद 15/16 सितंबर 2025 से इसे फिर से शुरू कर दिया गया। इस बारे में जारी एक प्रेस रिलीज में बताया गया कि चारधाम यात्रा को और ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने अपने नेतृत्व में गहन जांच करते हुए यात्रा के दौरान सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक नई रणनीतिक पहल लागू की। इसके तहत डीजीसीए को सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को कतई बर्दाश्त न करने के स्पष्ट आदेश के साथ, सख्त कदम उठाने और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि हेलीकॉप्टरों द्वारा चारधाम यात्रा के दो हिस्से हैं, पहला देहरादून (सहस्त्रधारा) से यमुनोत्री/गंगोत्री/केदारनाथ/बद्रीनाथ तक चार्टर सेवाएं और दूसरा गुप्तकाशी/फाटा/सीतापुर क्लस्टर से केदारनाथ जी हेलीपैड तक शटल सेवाएं। कुल छह हेलीकॉप्टर ऑपरेटर गुप्तकाशी/फाटा/सीतापुर क्लस्टर से शटल संचालन करेंगे और सात ऑपरेटर/संघ देहरादून (सहस्त्रधारा) से चार्टर उड़ान संचालन करेंगे। डीजीसीए ने कहा है कि भार और संतुलन सीमाओं को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए ताकि चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में सुरक्षित टेक-ऑफ और लैंडिंग सुनिश्चित किया जा सके। नेविगेशन और संचार के आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि पायलट को एक समर्पित सूचना तंत्र द्वारा मौसम की रियल-टाइम जानकारी दी जानी चाहिए। हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की अनुमति देने से पहले मंत्री राममोहन नायडू नेडीजीसीए, एएआई, राज्य सरकार और यूकाडा (उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण) के बीच गहन समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ देहरादून और दिल्ली में कई समीक्षा बैठकें भी कीं। मंत्री के निर्देशों के अनुसार, डीजीसीएने 13 से 16 सितंबर 2025 तक सभी हेलीपैडों, हेलीकॉप्टरों, ऑपरेटरों की तैयारियों और सहायक सुविधाओं का व्यापक निरीक्षण करते हुए ऑडिट भी किया। इसके बाद,यूकाडा और हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों को हेलीकॉप्टर संचालन फिर से शुरू करने की मंजूरी दे दी गई। इसके अतिरिक्त, यात्रा के दौरान सेवा मुहैया कराने वाले हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों और पायलटों को डीजीसीएद्वारा हेलीकॉप्टर सेवा संचालन के लिए संचालन परिपत्र में शामिल चुनौतियों और अपनाए गए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई है। इससे पहले मई-जून 2025 में चारधाम सेक्टर में हुई कई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद, विभिन्न उच्चाधिकार प्राप्त समितियों ने कुछ सुरक्षा उपायों को सुझाया था, जिनमें एएआई द्वारा हवाई यातायात नियंत्रकों की तैनाती, आईएमडी द्वारा मौसम विज्ञान अधिकारियों की तैनाती और उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) द्वारा नियंत्रण कक्षों में योग्य कर्मियों की तैनाती शामिल है ताकि सुरक्षित हेलीकॉप्टर संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

सम्पादकीय

डिजिटल क्रान्ति

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

बीते पिछले दशक को डिजिटिल क्रान्ति के युग की शुरूआत कहे तो अतियोशक्ति नहीं होगी। डिजिटल क्रान्ति की उपलब्धि असाधारण है। डिजिटल प्रक्रिया लक्षित प्रौद्योगिकीय अंत: क्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई थी वह अब एक व्यापक परिवर्तन के रूप में विकसित हो चुकी है, जो भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वाणिज्य, और देश के कोने-कोने में बसे किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है। यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग, और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय, और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने में ज़मीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया, तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर, और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर प्रणाली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है।

भूवैज्ञानिक भीमगोड़ा क्षेत्र एवं रेलवे ट्रैक पर हो रहे भूस्खलन के उचित प्रबंधन हेतु जल्द सौंपेंगे जिला प्रशासन को अपनी रिपोर्ट

हरिद्वार। भीमगोड़ा क्षेत्र में पहाड़ी से हो रहे भूस्खलन के उचित प्रबंधन हेतु जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में आज उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र के भूवैज्ञानिक टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण कर हो रहे भूस्खलन के उचित प्रबंधन हेतु स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान सीनियर भूवैज्ञानिक डॉ रुचिका टेंडन ने अवगत कराया किभीमगोड़ा क्षेत्र के मेजर भूगर्भीय समस्या है यह की जो रॉक मड स्टोन का जो पहाड़ है वह बहुत कमज़ोर है,उन्होंने कहा कि यह के स्टोन का परीक्षण कराया जायेगा, परीक्षण उपरांत ही भूस्खलन क्षेत्र के उचित प्रबंधन के लिए व्यवस्था कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इसकी जांच रिपोर्ट जल्द ही प्रशासन को उपलब्ध कराई जाएगी तथा इस संबंध में जो भी ट्रीटमेंट प्लान तैयार किया जाएगा उसके लिए वन विभाग,रेलवे,लोक निर्माण विभाग एवं आपदा प्रबंधन के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की जाएगी। निरीक्षण के दौरान भूवैज्ञानिक डॉ रघुबीर,उप निर्देशक राजा जी पार्क अजेय नेगी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत,अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार,सहायक अभियंता लोनिवि गणेश जोशी,सुनील कुमार एवं रेंजर वीरेंद्र तिवारी,चौकी इंचार्ज हरकी पौड़ी संजीत कंडारी आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत लक्सर की सीडीओ ने बैठक ली

हरिद्वार। क्षेत्र पंचायत लक्सर की बैठक विकास खंड सभागार में ब्लॉक प्रमुख हर्ष कुमार दौलत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। क्षेत्र समिति की बैठक में ग्राम प्रधान निहादपुर-सुठारी ने जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्य पूर्ण नहीं किए गए तथा खानपुर ब्रह्मपुर ग्राम प्रधान द्वारा पानी के प्रेसर कम होने की शिकायत की गई तथा मुंडाखेड़ा एथल ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा भी कार्य पूर्ण न करने एवं कनेक्शन पूर्ण न कराए जाने पर शिकायत की गई। जिसपर संबंधित शिकायत पर मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने अधिकारियों को समयबद्धता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए गए। क्षेत्र समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा खाद्य विभाग द्वारा नए यूनिट न जोड़े जाने की शिकायत की गई, जिस पर पूर्ति विभाग द्वारा आगामी ग्राम पंचायत की बैठक में प्रस्ताव लाकर पत्र एवं अपात्र व्यक्तियों के चिह्नितकरण के उपरांत ही नए यूनिट जोड़े जाएंगे। बैठक में ब्लॉक प्रमुख हर्ष कुमार दौलत ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा जो भी प्रस्ताव एवं समस्याएं सदन में रखी गई है उनका समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि क्षेत्र समिति की बैठक में जो भी प्रस्ताव एवं समस्याएं दर्ज कराई गई है उनका तत्परता से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता न बरती जाए। कार्यक्रम का संचालन खंड विकास अधिकारी लक्सर प्रवीण भट्ट द्वारा किया गया। बैठक में परियोजना निर्देशक के एन तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, मुख्य कृषि अधिकारी गोपाल भंडारी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ डीके चंद, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वामी यतीश्वरानंद ने रक्तदान शिविर में रक्तदानियों का उत्साहवर्धन किया

हरिद्वार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा मंडल भोगपुर पंचपुरी के ग्राम शाहपुर शीतलाखेड़ा में रक्तदान शिविर में रक्तदानियों का उत्साहवर्धन किया। वही, वेद मंदिर आश्रम में स्वागत के बाद देहरादून पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का स्वागत करते हुए आभार जताया। बृहस्पतिवार के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद का वेद मंदिर आश्रम में धनौरी क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने सभी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो पार्टी ने सम्मान दिया है यह हर एक कार्यकर्ता का सम्मान है और सभी के हित में कार्य करते रहेंगे। इस मौके पर ज्वालापुर विधानसभा के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद महाराज का फूल माला पहनाकर ढोल के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान प्यारेलाल सैनी, पूर्ण सैनी, देशराज प्रधान, राय सिंह, मास्टर कर्मपाल सैनी, प्रवीण सैनी, सोम सैनी, धर्मपाल, सेवाराम भारती, सोनू भारती, अनिल, पॉपीन राणा, राजेंद्र, संजय बर्मन, रविंद्र गिरी, डॉ रमेश कुमार, संजय कश्यप, पवन, संजय कश्यप, विनोद कुमार आदि लोगों मौजूद रहे। वहीं, दूसरी ओर शाहपुर शीतलाखेड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का नाम विश्व में रोशन किया है और आज आपदा के समय में प्रभावित और पीड़ितों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं के प्रति सजग होकर निगरानी में सुविधाओं के लिए काम करा रहे हैं। इस मौके पर वरिष्ठ नेता शेषराज सैनी, जिपं सदस्य संजय सरदार, नितिन सैनी, प्रधान प्रमोद सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सैनी, प्रधान दीपक, विनोद सैनी, डिंपल सरदार, पटवारी सरदार, योगेश सैनी, नीटू सैनी, संजय सैनी, लक्ष्मीचंद आदि शामिल हुए। उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद ने भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दूरदर्शिता से प्रदेश के हर व्यक्ति का विकास होगा।

12 दिन बाद मिला लापता एलबीएस अकादमी का कर्मचारी

देहरादून। संदिग्ध परिस्थितियों में लापता एलबीएस अकादमी का कर्मचारी सुरक्षित मिल गया है। वह हिमाचल के कुल्ले में होटल में रुका हुआ था। पुलिस जांच में यह सामने आया कि युवक कर्ज और दादा दादी से बातचीत बंद होने के कारण परेशान चल रहा था। एसएसआई केके सिंह ने बताया कि एलबीएस अकादमी में कार्यरत विशाल सिंह नेगी उम्र 27 पुत्र चंद्रवीर सिंह नेगी वर्ष 6 सितंबर को शाम को लापता हो गए थे। परिजनों ने कोतवाली मसूरी में गुमशुदगी परिजनों द्वारा मसूरी कोतवाली में दर्ज कराई गई थी द्य इस मामले की जांच एसएसआई केके सिंह कर रहे थे। बताया कि विशाल सिंह नेगी को गुरुवार को जिला कुल्लू के मणिकरण थाना क्षेत्र से बरामद किया गया है। हिमाचल पुलिस के सहयोग से उन्हें बरामद किया है। वह एक होटल में ठहरे थे। विशाल ने पुलिस को बताया कि घर में दादा दादी से बातचीत बंद होने ओर थोड़ा कर्ज होने के कारण वह परेशान था जिस कारण वह जंगल घूमने और शांति के इरादे से बिना बताए चला आया था। पुलिस ने बताया कि युवक को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस टीम में के कृष्ण कुमार सिंह कांस्टेबल, जनमेजय शामिल रहे।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

डॉ बृज मोहन शर्मा ने बताया कि खाद्य मिलावट को कैसे जानें और पहचानें, जानिए किन पदार्थों की मिलावट की जाती है।

देहरादून । लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर और स्पेक्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दी देहरादून डायलॉग के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय था–खाद्य मिलावट को जानें और पहचानें। कार्यक्रम का शुभारंभ दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर के डॉ. चन्द्रशेखर तिवारी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने डॉ बृज मोहन शर्मा को इस महत्वपूर्ण और सामयिक विषय पर तकनीकी प्रस्तुति के लिए धन्यवाद दिया। इसके पश्चात् दि देहरादून डायलॉग (झ्छ्ष्ठ) की ओर से श्री हरि राज सिंह ने डॉ बृज मोहन शर्मा का परिचय दिया गया। इस कार्यक्रम में श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, समय साक्ष्य और स्पीकिंग क्यूब भी सहयोगी की भूमिका में हैं। इस अवसर पर देश के जाने-माने पर्यावरण वैज्ञानिक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बृज मोहन शर्मा ने छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को संबोधित किया। डॉ. शर्मा ने अपने व्याख्यान की शुरुआत मिलावट के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य से की। उन्होंने बताया कि मिलावट कोई नई समस्या नहीं है, यह इतिहास में सदियों से समाज के सामने मौजूद रही है, परंतु आधुनिक दौर में यह समस्या अत्यंत गंभीर और व्यापक बन गई है।

दैनिक जीवन में मिलावट की भयावह सच्चाई

डॉ. शर्मा ने विस्तारपूर्वक बताया कि किस प्रकार आज हमारी दैनिक उपभोग की लगभग सभी वस्तुएं-चाहे वे रसोई की हों, बाजार से लाई गई हों या त्योहारों में प्रयोग की जाने वाली-रासायनिक या भौतिक मिलावट का शिकार हो रही हैं। उन्होंने कहा कि दूध में सामान्यतः यूरिया, स्टार्च, डिटरजेंट और ड्राय मिल्क पाउडर मिलाया जाता है, जिससे वह गाढ़ा और असली दिखे। इसी तरह पनीर में ड्राय मिल्क, कृत्रिम तेल और स्टार्च मिलाकर उसे बाजार में ताज़ा और सस्ता बताया जाता है। घी में वनीस्पति तेल, डिटरजेंट और कृत्रिम सुगंध मिलाकर उसकी गुणवत्ता को झूठा दर्शाया जाता है। उन्होंने बताया कि मसालों जैसे हल्दी में क्रोमियम येलो, मिर्च में लाल ऑक्साइड और धनिया पाउडर में सांवले रंग का बुरादा मिलाया जाता है। दालों में रंग और पॉलिशिंग के लिए कृत्रिम रसायनों का उपयोग होता है। सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल में खनिज तेल और सिंथेटिक पदार्थ मिलाए जाते हैं। आटा और विशेष रूप से कुट्ठ का आटा में चूना, सस्ते अनाज और स्टार्च मिलाकर उसकी शुद्धता को प्रभावित किया जाता है। चीनी में चॉक पाउडर और साबुन पाउडर, तथा नमक में सफेद मिट्टी और पाउडर पत्थर की मिलावट आम हो गई है। कॉर्न सिरप जैसे मीठे उत्पादों में हाई

फ्रक्टोज़ और रासायनिक स्वीटनर्स का अत्यधिक प्रयोग किया जाता है। फल और सब्जियों को कार्बाइड, वैक्स और सिंथेटिक रंगों से चमकाया जाता है, ताकि वे अधिक आकर्षक दिखें, भले ही उनके भीतर ज़हर ही क्यों न छुपा हो। डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि पूजन सामग्री, जैसे अगरबत्ती, रंग, और भस्म आदि में भी संवेदनशील रसायनों और जहरीले तत्वों की मिलावट होती है। वहीं मिठाइयों में सिंथेटिक रंग, मिलावटी सिल्वर फॉयल (जो कि एल्युमिनियम की होती है) और सस्ते तेलों व कृत्रिम शुगर सिरप का प्रयोग किया जाता है, जिससे वे दिखने में आकर्षक लगें लेकिन शरीर में ज़हर फैलाएं।उन्होंने चेताया कि इस प्रकार की मिलावट केवल उपभोक्ता को धोखा नहीं देती, बल्कि यह धीरे-धीरे शरीर को बीमारियों का घर बना देती है। कैंसर, किडनी रोग, हार्मोन असंतुलन, पाचन विकार और बच्चों में मानसिक व शारीरिक विकास की रुकावट-इन सभी का एक बड़ा कारण मिलावटी खाद्य पदार्थों का लगातार सेवन है। अतः समाज को इस दिशा में सजग और संगठित प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिक तथ्यों और उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि इन मिलावटी पदार्थों का सेवन किस प्रकार हमारी सेहत के लिए घातक बीमारियों जैसे कैंसर, लीवर खराबी, किडनी फेलियर, हॉर्मोनल असंतुलन, और बच्चों में मानसिक विकास की कमी आदि का कारण बन रहा है।

घरेलू परीक्षण–जागरूकता की दिशा में पहला कदम

डॉ. शर्मा ने अपने व्याख्यान में यह महत्वपूर्ण तथ्य साझा किया कि मिलावट की पहचान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि घर पर ही कुछ सरल वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से भी यह संभव है। उन्होंने बताया कि ये प्रयोग न केवल उपभोक्ता को सजग बनाते हैं, बल्कि समाज में विज्ञान-आधारित उपभोक्ता जागरूकता को भी बल देते हैं। उन्होंने इन परीक्षणों का मंच पर प्रत्यक्ष प्रदर्शन करते हुए दर्शाया कि आमजन भी थोड़े से ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मिलावट की पहचान कर सकते हैं।

पहला परीक्षण दूध में पानी की मिलावट की पहचान से जुड़ा था। डॉ. शर्मा ने बताया कि दूध की घनता पानी से अधिक होती है, इसलिए यदि दूध में पानी मिलाया गया हो, तो वह चिकनी सतह पर तेजी से फैल जाता है। एक बूंद दूध को टाइल या काँच की प्लेट पर गिराकर देखा जा सकता है–शुद्ध दूध धीरे फैलेगा, जबकि मिलावटी दूध पानी जैसा फैल जाएगा।

हल्दी में कृत्रिम रंग की मिलावट की पहचान के लिए उन्होंने बताया कि प्राकृतिक हल्दी पानी में पूरी तरह नहीं घुलती और उसका रंग हल्का होता है, जबकि मिलावटी हल्दी (जिसमें मेथेनिल येलो या क्रोमियम येलो जैसे रंग मिलाए जाते हैं) पानी में घुलकर गहरा रंग छोड़ती है। एक चुटकी हल्दी को गर्म पानी में डालने पर यदि पानी गहरा नारंगी हो जाए, तो वह मिलावटी है। चीनी में चॉक पाउडर की मिलावट की पहचान के लिए उन्होंने बताया कि चॉक (कैल्शियम कार्बोनेट) पानी में नहीं घुलता, जबकि चीनी पूरी तरह घुल जाती है। एक गिलास पानी में थोड़ी चीनी मिलाकर यदि तल में सफेद अवशेष रह जाए, तो वह चॉक की मिलावट का संकेत है।

इसी तरह चाय की पत्तियों में कृत्रिम रंग की मिलावट को भी आसानी से पहचाना जा सकता है। प्राकृतिक चाय की पत्तियाँ धीरे-धीरे हल्का रंग छोड़ती हैं, जबकि मिलावटी चाय (जिसमें रंग मिलाया गया हो) तुरंत गहरा भूरा या काला रंग छोड़ देती है। यह परीक्षण एक कप गर्म पानी में चाय की पत्तियाँ डालकर किया जा सकता है।

आटे में मैदा या चूना की मिलावट की पहचान के लिए उन्होंने दो परीक्षण सुझाए। पहला - एक चम्मच आटे में नींबू का रस डालें; यदि झाग उठे, तो उसमें चूना हो सकता है। दूसरा - आटे को पानी में घोलकर उसकी बनावट महसूस करें; मैदा चिकना और लसलसा होगा, जबकि शुद्ध गेहूं का आटा अपेक्षाकृत दानेदार होगा।

डॉ. शर्मा ने विशेष रूप से सब्जियों और फलों को ताज़ा दिखाने के लिए उपयोग किए जा रहे रसायनों के बारे में चेताया। उन्होंने बताया कि कई दुकानदार और आपूर्तिकर्ता सब्जियों को डुह्लह्ल-द्वद्धष्द्धड्डह्यह्य4 ताज़ा और चमकदार दिखाने के लिए वेक्सिंग एजेंट्स, रासायनिक कोटिंग और पॉलिशिंग पदार्थों का इस्तेमाल करते हैं। यहाँ तक कि कई बार एथिलीन या कैल्शियम कार्बाइड गैस का उपयोग अधपके फलों को तेजी से पकाने के लिए किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ऐसी सब्ज़ियों और फलों की सतह अधिक चिकनी और अस्वाभाविक रूप से चमकदार होती है, जिनसे सावधान रहना चाहिए।

नमक में मिलावट के संदर्भ में डॉ. शर्मा ने बताया कि आमतौर पर नमक में सफेद मिट्टी, टैल्क पाउडर या पाउडर पत्थर की मिलावट की जाती है। इसे पहचानने के लिए नमक को पानी में घोलकर कुछ समय के लिए रखा जाए-यदि कोई सफेद अवशेष तल में बैठ जाए, तो वह मिलावट का संकेत है। इसके अलावा, अशुद्ध नमक अक्सर जल्दी नमी खींचता है और जम जाता है, जबकि शुद्ध आयोडीनयुक्त नमक हल्का और दानेदार रहता है।

दालों में मिलावट की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि दालों को चमकदार और नया दिखाने के लिए उनमें पॉलिशिंग एजेंट्स और कृत्रिम रंग मिलाए जाते हैं। विशेष रूप से चना, अरहर और मसूर की दालों में यह अधिक देखा गया है। इन्हें पहचानने के लिए दालों को पानी में भिगोया जाए-यदि पानी रंगीन हो जाए या दाल की सतह से कोई परत उतरने लगे, तो समझना चाहिए कि उसमें पॉलिशिंग या रंग की मिलावट है।

अंत में, डॉ. शर्मा ने सभी उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और नागरिकों से आग्रह किया कि वे इन घरेलू परीक्षणों को अपने जीवन में अपनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि एक जागरूक उपभोक्ता ही मिलावट के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है, और जब विज्ञान, अनुभव और सामूहिक चेतना एक साथ आएँ, तो कोई भी मिलावटखोर समाज को धोखा नहीं दे सकता।

उन्होंने यह भी बताया कि स्क्चश्वष्टस् संस्था ने वर्ष 1999 में मिलावट के विरुद्ध एक संगठित जन-अभियान की शुरुआत की थी, जो आज भी सक्रिय रूप से जारी है। इसके अंतर्गत छात्रों, शिक्षकों और आम नागरिकों के लिए कार्यशालाएं, परीक्षण शिविर, और जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

रसोई कसौटी और राष्ट्रीय प्रभाव

डॉ. शर्मा ने गर्वपूर्वक बताया कि वर्ष 2004 में स्पेक्स ने एक नवाचार रसोई कसौटी नामक किट विकसित की, जिससे घर पर ही खाद्य वस्तुओं की शुद्धता जांची जा सकती है। यह किट भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त है और इसका उपयोग देशभर के सभी राज्यों और जिलों में किया गया है। यह भारत के विज्ञान क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान के रूप में स्थापित हुआ है।

चारधाम यात्रा के दौरान मिलावट से मुक्ति अभियान

स्पेक्स द्वारा चलाया गया चारधाम मिलावट से मुक्ति अभियान उत्तराखंड में विशेष रूप से चर्चित रहा है, जिसके अंतर्गत तीर्थयात्रियों, दुकानदारों और आम जनता को मिलावटी खाद्य पदार्थों की पहचान और उनके दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। इस अभियान को सरकार और मीडिया से भी व्यापक समर्थन मिला।

समाधान–मिलावट की समस्या पर समग्र दृष्टिकोण

डॉ. शर्मा ने मिलावट की समस्या को केवल सरकार या उपभोक्ता तक सीमित न मानते हुए, समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने मिलावट की समस्या और समाधान–घर, विद्यालय, समाज, व्यापार, सरकार और बुजुर्गों की भूमिका शीर्षक से एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

घर/परिवार स्तर पर समाधान

हर सदस्य को सजग उपभोक्ता बनने की आवश्यकता है।

खरीदारी करते समय बिल लेना और गुणवत्ता चिह्न (स्नस्स्ड्ढ, ड्ढस्ढ्ढ, त्रक्रय) देखना अनिवार्य हो।

घर पर छोटे-छोटे परीक्षण सिखाए जाएं - जैसे दूध, हल्दी, शक्कर, नमक आदि में मिलावट की पहचान।

स्वावलंबन को बढ़ावा दें - जैसे छत पर सब्जी उगाना, घर में अचार-मसाले बनाना।

बुजुर्गों के अनुभवों को साझा किया जाए - वे गंध, स्वाद और बनावट से खाद्य की शुद्धता पहचान सकते हैं।

विद्यालय स्तर पर समाधान

विद्यालयों में मिलावट को जानें और पहचानें को सिलेबस का हिस्सा बनाया जाए।

बच्चों को प्रयोगात्मक रूप से खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जांच सिखाई जाए।

फूड सेफ्टी क्लब की स्थापना की जाए।

बुजुर्गों को विद्यालयों में बुलाकर अनुभव साझा कार्यक्रम कराए जाएं।

मिड-डे मील और कैंटीन की गुणवत्ता की नियमित जांच स्टूडेंट कमिटीज द्वारा की जाए।

समाज स्तर पर समाधान

नुक्कड़ नाटक, रैली, पोस्टर प्रतियोगिता जैसे जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

ग्राम सभाओं, ऋङ्ख मीटिंग में मिलावट को चर्चा का विषय बनाया जाए।

फूड टेस्टिंग कैंप्स लगाए जाएं - जहाँ लोग अपने खाद्य पदार्थों की जांच करवा सकें।

वर्षों से शुद्ध व्यापार करने वाले दुकानदारों को शुद्ध आहार सम्मान से सम्मानित किया जाए।

चमोली नंदानगर में बादल फटा, मलबे की चपेट में आकर 10लोग लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

चमोली। चमोली की नंदनगर पंचायत में बुधवार रात करीब डेढ़ बजे पांच स्थानों पर बादल फटने के बाद आए मलबे की चपेट में आकर 10लोग लापता हैं। तीन लोगों को बचा लिया गया है। धुरमा गांव से दो और फाली गांव से लापता आठ लोगों की खोज की जा रही है। कुंतरी, पाली, सैंती, धुरमा व भैंसवाड़ा गांव में भारी नुकसान पहुंचा है। 40से अधिक भवन क्षतिग्रस्त हुए हैं। 150से अधिक आपदा प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। दो महिलाओं और एक बच्चे को मलबे से निकाला दो महिलाओं और एक बच्चे को पुलिस व डीडीआरएफ की टीमों ने मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। इन घायलों को नंदानगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। करीब 20ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, ग्राम कुंतरी लगा सरपाणी में भी दो लोग लापता हैं और दो भवन ध्वस्त हुए हैं। यहां भी रेस्क्यू टीमों ने 10ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला। ग्राम धुर्मा में मोक्ष नदी उफान पर आ गई, जिससे दो लोग लापता हैं और करीब 10मकानों को नुकसान पहुंचा है। बचाव कार्यों में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी (गौचर 8वीं वाहिनी), डीडीआरएफ और राजस्व विभाग की टीमें जुटी हैं। लेकिन सड़कों के जगह-जगह बंद होने और भूस्खलन के कारण टीमों को घटनास्थल पर पहुंचने में देरी हो रही है। अधिकतर टीमें अब पैदल मार्ग से मौके पर पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि लापता लोगों की खोज की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को युद्धस्तर पर अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उत्तराखंड में पहाड़ से मैदान तक बादल मंडरा रहे हैं और भारी बारिश आफत बनी हुई है। देहरादून के बाद बुधवार को हरिद्वार के कई इलाकों में भारी बारिश आफत बनी रही। प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में रुक-रुककर तीव्र वर्षा के दौर हो रहे हैं। अभी उत्तराखंड में वर्षा का क्रम बना रहने का अनुमान है। मानसून की सक्रियता के बीच पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अत्यंत भारी वर्षा होने के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आज नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में गरज-चमक के साथ भारी बारिश की आशंका है। यलो अलर्ट जारी किया गया है। शेष जिलों में भी कहीं-कहीं आकाशीय बिजली चमकने और तीव्र वर्षा हो सकती है।

लापता लोगों का विवरण

कुंतारी फाली गांव से लापताः कुंवर सिंह ह्य/श बलवंत सिंह (उम्र लगभग 42), कांता देवी पत्नी कुंवर सिंह (38), विशाल पुत्र कुंवर सिंह, नरेन्द्र सिंह ह्य/श कुताल सिंह (4), जगदम्बा प्रसाद पुत्र ख्याली राम(7), विकास, भागा देवी पत्नी जगदम्बा प्रसाद (65)ड्ढ देवेश्वरी देवी पत्नी दिलबर सिंह (65). धुर्मा गांव में दो लापताः धुर्मा में 2 लोगों के लापता होने की सूचना हैं. इसमें गुमान सिंह पुत्र चन्द्र सिंह (उम्र 75) व ममता देवी पत्नी विक्रम सिंह (उम्र 38) के लापता होने के सूचना है.

शोध में आवश्यक सुधारों के बारे में बताया

ऋषिकेश। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू जौलीग्रांट में प्रीडेटरी पब्लिशिंग पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने शोधकर्ताओं को अनैतिक प्रकाशन प्रथाओं के विषय में जानकारी देने के साथ जागरूक किया और अनुसंधान में सुधारों के बारे में अहम जानकारियां दीं। एसआरएचयू स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की अनुसंधान समिति की ओर से बीसी रॉय सभागार में आयोजित सेमिनार का शुभारंभ डॉ. स्वामी राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान कुलपति डॉ. राजेन्द्र डोभाल ने कहा कि प्रीडेटरी पब्लिशिंग एक प्रकार की अनैतिक प्रकाशन प्रथा है। इस सेमिनार के माध्यम से शोधकर्ताओं को ऐसी पत्रिकाओं से बचने के बारे में जानकारी मिलेगी जो शोध की गुणवत्ता की उपेक्षा करती हैं और अपने स्वार्थ के लिए खुला एक्सेस मॉडल का दुरुपयोग करती हैं। डीन डॉ. प्रीति कोठियाल ने सेमिनार के उद्देश्य और शोधकर्ताओं को प्रीडेटरी पब्लिशिंग की भूमिका से अवगत कराया। मुख्य वक्ता जादवपुर विवि कोलकाता के डॉ. पुलोक मुखर्जी ने प्रतिभागियों को शैक्षिक प्रकाशन में ईमानदारी चुनौतियां, विफलताएं और सुधार विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने अनुसंधान ईमानदारी को मजबूत करने के लिए आवश्यक सुधारों पर जोर दिया। कहा कि प्रीडेटरी पब्लिशिंग एक बढ़ती हुई समस्या है, जिससे शोधकर्ताओं को सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंनें कहा कि शोधकर्ताओं को जर्नल की विश्वसनीयता की जांच करनी चाहिए और फर्जी प्रकाशन प्रथाओं से बचना चाहिए। इससे विज्ञान की विश्वसनीयता बनी रहेगी और शोधकर्ताओं की प्रतिष्ठा भी सुरक्षित रहेगी। वक्ता पतंजलि हरिद्वार के डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने वैज्ञानिक दुनिया में प्रीडेटरी पब्लिशिंग से कैसे बचें विषय पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. संजीव कुमार वार्ष्णेय ने शोध को प्रकाशित करने के चरण विषय पर एक संरचित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। डॉ. मनोरमा त्रिपाठी ने विद्वानों के संचार परिदृश्य को नेविगेट करना विषय पर प्रामाणिक पत्रिकाओं को पहचानने और विद्वानों की दृश्यता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की जानकारी दी।

चमोली जिले के नंदा नगर क्षेत्र में बादल फटा

चमोली जनपद के नंदानगर क्षेत्र में मंगलवार देर रात बादल फटने की घटना से भारी तबाही मच गई। तहसील के कुंतरी गांव और धुर्मा गांव में मलबा आने से कई घर जमींदोज हो गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कुंतरी वार्ड में 6 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं और 8 लोग लापता हैं। दो लोगों को बचा लिया गया है,जबकि कई अन्य के घरों में फंसे होने की आशंका है,वहीं धुर्मा गांव में भी 4-5 भवनों को क्षति पहुंची है, 2 लोग लापता हैं, भारी बारिश से मोक्ष नदी का जलस्तर भी

हॉकी टूर्नामेंट में श्रीराम विद्या मंदिर की बालिका टीम उपविजेता बनी

हरिद्वार। गत वर्षों की भांति सीबीएसई द्वारा इस वर्ष भी सीबीएसई गर्ल्स नैशनल हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन 12 सितंबर से 17 सितंबर 2025 तक चद्व्रद्ब (के आई आई टी) इंटरनेशनल स्कूल भुवनेश्वर, उड़ीसा, में करवाया गया था। यह प्रतियोगिता अंदर 14 ,17 तथा 19 आयु वर्ग में आयोजित की गई। इसमें संपूर्ण भारत के विभिन्न जोनों की विजेता टीमों ने प्रतिभाग किया। पिछले कई वर्षों की भांति इस बार भी श्री राम विद्या मंदिर श्यामपुर हरिद्वार की बालिकाओं ने अंदर-19 वर्ग में प्रतिभा किया तथा उपविजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया। इस वर्ग में संपूर्ण भारत से श्रेष्ठ 7 टीमों ने प्रतिभा किया। स्कूल के हॉकी कोच बलविंदर सिंह ने बताया कि बालिकाओं ने लीग मैचों में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाईसेमी फाइनल मैच आर्मी पब्लिक स्कूल, धौलाकुआं, दिल्ली के साथ खेला गया। स्कूल की बालिकाओं ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह मैच 8-0 से जीत कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच श्री राम विद्या मंदिर तथा लिटल एंजेल पब्लिक स्कूल (प्रीतम हॉकी अकैडमी) सोनीपत, हरियाणा, के मध्य खेला गया। एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में यह मैच सोनीपत ने 1-0 जीता। कोच ने बताया कि लिटिल एंजल पब्लिक स्कूल (प्रीतम हॉकी अकादमी)की लगभग सभी खिलाड़ी साईं तथा एन सी ओ ई साईं की खिलाड़ी थीं। इस सशक्त टीम के खिलाफ श्री

राम विद्या मंदिर की खिलाड़ियों ने बहुत ही अनुशासित तथा टेक्टिकल खेल का प्रदर्शन किया। इस प्रकार के बड़े टूर्नामेंट खेलने से खिलाड़ियों की कमियां और खूबियां दोनों ही सामने आती हैं। आगे अब उनकी कमियों और खूबियां दोनों पर काम किया जाएगा ताकि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी बन सकें। प्रतियोगिता के दौरान फारवर्ड लाइन में टीम की कप्तान आरती तथा वांसी मिडफील्ड में जहानवी शरण तथा गोलकीपर तनिष्का का खेल बहुत ही शानदार और सराहनीय रहा। बैक में सानिया ने बहुत अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। आश्मी ,नंदिनी ,साक्षी , शिवानी ,काजल,संध्या , साक्षी, इशिका,निहारिका, आरती (2), तथा पूजा शरण ने शानदार खेल खेला। इस जीत पर स्कूल के मैनेजर राजीव भल्ला तथा प्रधानाचार्या श्रीमती बबीता ए. श्रीनिवास ने बच्चों को बधाई दी तथा भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **देवेन्द्र जौहरी** द्वारा साप्ताहिक समाचार पत्र **''गुरुकृपा दर्पण''** को रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34, ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं एस-3, अशोक विहार कालोनी, कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सम्पादकः **देवेन्द्र जौहरी**
मो. - 9997331129
E-mail : gurukripadarpan@gmail.com